सहायक आचार्य प्रतियोगी परीक्षा-2024 श्रीपाल सिंह
(संस्कृत शिक्षा विभाग) परीक्षा तिथि- 18/09/2024

पुस्तिका में पृष्ठों की संख्या : 16
Number of Pages in Booklet : 16
पुस्तिका में प्रश्नों की संख्या : 150
No. of Questions in Booklet : 150

Paper Code : 38

PAS-24

इस प्रश्न-पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक कहा न जाए। Do not open this Question Booklet until you are asked to do so.

प्रश्न-पुस्तिका संख्या व बारकोड/
Question Booklet No. & Barcode

413949

Sub : Bhasha Vigyan-II
Paper-II

समय : 03 घण्टे + 10 मिनट अतिरिक्त*
Time : 03 Hours + 10 Minutes Extra*

अधिकतम अंक : 75
Maximum Marks : 75

प्रश्न-पुस्तिका के पेपर की सील/पॉलिथीन बैग को खोलने पर प्रश्न-पत्र हल करने से पूर्व परीक्षार्थी यह सुनिश्चित कर लें कि :
- प्रश्न-पुस्तिका संख्या तथा ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक पर अंकित बारकोड संख्या समान है।
- प्रश्न-पुस्तिका एवं ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक के सभी पृष्ठ व सभी प्रश्न सही मुद्रित हैं। समस्त प्रश्न, जैसा कि ऊपर वर्णित है, उपलब्ध हैं तथा कोई भी पृष्ठ कम नहीं है/ मुद्रण त्रुटि नहीं है।

किसी भी प्रकार की विसंगति या दोषपूर्ण होने पर परीक्षार्थी वीक्षक से दूसरा प्रश्न-पत्र प्राप्त कर लें। यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी अभ्यर्थी की होगी। परीक्षा प्रारम्भ होने के 5 मिनट पश्चात् ऐसे किसी दावे/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

On opening the paper seal/polythene bag of the Question Booklet before attempting the question paper, the candidate should ensure that :
- **Question Booklet Number and Barcode Number of OMR Answer Sheet are same.**
- **All pages & Questions of Question Booklet and OMR Answer Sheet are properly printed. All questions as mentioned above are available and no page is missing/misprinted.**

If there is any discrepancy/defect, candidate must obtain another Question Booklet from Invigilator. Candidate himself shall be responsible for ensuring this. No claim/objection in this regard will be entertained after five minutes of start of examination.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. प्रत्येक प्रश्न के लिये एक विकल्प भरना अनिवार्य है।
2. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न का मात्र एक ही उत्तर दीजिए। एक से अधिक उत्तर देने की दशा में प्रश्न के उत्तर को गलत माना जाएगा।
4. OMR उत्तर-पत्रक इस प्रश्न-पुस्तिका के अन्दर रखा है। जब आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने को कहा जाए, तो उत्तर-पत्रक निकाल कर ध्यान से केवल नीले बॉल पॉइंट पेन से विवरण भरें।
5. कृपया अपना रोल नम्बर ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक पर सावधानीपूर्वक सही भरें। गलत रोल नम्बर भरने पर परीक्षार्थी स्वयं उत्तरदायी होगा।
6. प्रत्येक गलत उत्तर के लिए प्रश्न अंक का 1/3 भाग काटा जायेगा। गलत उत्तर से तात्पर्य अशुद्ध उत्तर अथवा किसी भी प्रश्न के एक से अधिक उत्तर से है।
7. प्रत्येक प्रश्न के पाँच विकल्प दिये गये हैं, जिन्हें क्रमशः 1, 2, 3, 4, 5 अंकित किया गया है। अभ्यर्थी को सही उत्तर निर्दिष्ट करते हुए उनमें से केवल एक गोले (बबल) को उत्तर-पत्रक पर नीले बॉल पॉइंट पेन से गहरा करना है।
8. यदि आप प्रश्न का उत्तर नहीं देना चाहते हैं तो उत्तर-पत्रक में पाँचवें (5) विकल्प को गहरा करें। यदि पाँच में से कोई भी गोला गहरा नहीं किया जाता है, तो ऐसे प्रश्न के लिये प्रश्न अंक का 1/3 भाग काटा जायेगा।
9.* प्रश्न-पत्र हल करने के उपरांत अभ्यर्थी अनिवार्य रूप से ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक जाँच लें कि समस्त प्रश्नों के लिये एक विकल्प (गोला) भर दिया गया है। इसके लिये ही निर्धारित समय से 10 मिनट का अतिरिक्त समय दिया गया है।
10. यदि अभ्यर्थी 10% से अधिक प्रश्नों में पाँच विकल्पों में से कोई भी विकल्प अंकित नहीं करता है, तो उसको अयोग्य माना जायेगा।
11. मोबाइल फोन अथवा अन्य किसी इलेक्ट्रोनिक यंत्र का परीक्षा हॉल में प्रयोग पूर्णतया वर्जित है। यदि किसी अभ्यर्थी के पास ऐसी कोई वर्जित सामग्री मिलती है तो उसके विरुद्ध आयोग द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी।

चेतावनी : अगर कोई अभ्यर्थी नकल करते पकड़ा जाता है या उसके पास से कोई अनधिकृत सामग्री पाई जाती है, तो उस अभ्यर्थी के विरुद्ध पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराते हुए **राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा (भर्ती में अनुचित साधनों की रोकथाम अध्युपाय) अधिनियम, 2022** तथा अन्य प्रभावी कानून एवं आयोग के नियमों-प्रावधानों के तहत कार्यवाही की जाएगी। साथ ही आयोग ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य में होने वाली आयोग की समस्त परीक्षाओं से विवर्जित कर सकता है।

INSTRUCTIONS FOR CANDIDATES

1. **It is mandatory to fill one option for each question.**
2. **All** questions carry equal marks.
3. Only **one** answer is to be given for each question. If more than one answers are marked, it would be treated as wrong answer.
4. The **OMR** Answer Sheet is inside this Question Booklet. When you are directed to open the Question Booklet, take out the Answer Sheet and fill in the particulars carefully with **Blue Ball Point Pen** only.
5. Please correctly fill your Roll Number in **OMR** Answer Sheet. Candidate will themself be responsible for filling wrong Roll No.
6. **1/3 part of the mark(s) of each question will be deducted for each wrong answer.** A wrong answer means an incorrect answer or more than one answers for any question.
7. **Each question has five options marked as 1, 2, 3, 4, 5. You have to darken only one circle (bubble) indicating the correct answer on the Answer Sheet using BLUE BALL POINT PEN.**
8. **If you are not attempting a question then you have to darken the circle '5'. If none of the five circles is darkened, one third (1/3) part of the marks of question shall be deducted.**
9.* **After solving question paper, candidate must ascertain that he/she has darkened one of the circles (bubbles) for each of the questions. Extra time of 10 minutes beyond scheduled time, is provided for this.**
10. **A candidate who has not darkened any of the five circles in more than 10% questions, shall be disqualified.**
11. Mobile Phone or any other electronic gadget in the examination hall is strictly prohibited. A candidate found with any of such objectionable material with him/her will be strictly dealt as per rules.

Warning : If a candidate is found copying or if any unauthorized material is found in his/her possession, F.I.R. would be lodged against him/her in the Police Station and he/she would liable to be prosecuted under **Rajasthan Public Examination (Measures for Prevention of Unfair Means in Recruitment) Act, 2022 & any other laws applicable and Commission's Rules-Regulations.** Commission may also debar him/her permanently from all future examinations.

उत्तर-पत्रक में दो प्रतियाँ हैं – मूल प्रति और कार्बन प्रति। परीक्षा समाप्ति पर परीक्षा कक्ष छोड़ने से पूर्व परीक्षार्थी उत्तर-पत्रक की दोनों प्रतियाँ वीक्षक को सौंपेंगे, परीक्षार्थी स्वयं कार्बन प्रति अलग नहीं करें। वीक्षक उत्तर-पत्रक की मूल प्रति को अपने पास जमा कर, कार्बन प्रति को मूल प्रति से कट लाइन से मोड़ कर सावधानीपूर्वक अलग कर परीक्षार्थी को सौंपेंगे, जिसे परीक्षार्थी अपने साथ ले जायेंगे। परीक्षार्थी को उत्तर-पत्रक की कार्बन प्रति चयन प्रक्रिया पूर्ण होने तक सुरक्षित रखनी होगी एवं आयोग द्वारा माँगे जाने पर प्रस्तुत करनी होगी।

1. सारनाथबौद्धप्रतिमालेखस्य लिपिः का ?
(1) कुषाणकालीनब्राह्मी
(2) गुप्तकालीन शारदा
(3) कुषाणकालीनखरोष्ठी
(4) गुप्तकालीनखरोष्ठी
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

2. चन्द्रगुप्तद्वितीयस्य मेहरौली स्तम्भलेखः कस्य धर्मस्य विषयं प्रस्तौति ?
(1) शैवधर्मस्य (2) जैनधर्मस्य
(3) बौद्धधर्मस्य (4) वैष्णवधर्मस्य
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

3. समुचितं सम्मेलनं कुरुत –

A.	अशोककालीनोऽभिलेखः	अ.	दिल्लीटोपराभिलेखः
B.	मौर्योत्तरकालीनाभिलेखः	ब.	यशोधर्मनः मन्दसौराभिलेखः
C.	गुप्तकालीनाभिलेखः	स.	रुद्रदाम्नः गिरनाराभिलेखः
D.	गुप्तोत्तरकालीनाभिलेखः	द.	गुजर्रा – लघुशिलाभिलेखः

कूट :

	A	B	C	D
(1)	द	स	ब	अ
(2)	अ	ब	स	द
(3)	द	स	अ	ब
(4)	द	ब	स	अ

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

4. रुद्रदाम्नः शिलाभिलेखे उद्धृतेन आनर्तेन सह कस्य राज्यस्य नाम नास्ति ?
(1) सुराष्ट्रस्य (2) कच्छस्य
(3) कलिङ्गस्य (4) सौवीरस्य
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

5. यशोधर्मणः मन्दसौर–अभिलेखस्य श्लोकानां रचयिता अस्ति –
(1) गोविन्दः (2) रविकीर्तिः
(3) वासुलः (4) हरिषेणः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

6. कस्य अभिलेखस्य आरम्भिक पद्ये भगवतः शूलपाणेः वन्दना कृता ?
(1) हर्षवर्धनस्य (2) यशोधर्मणः
(3) रुद्रदाम्नः (4) समुद्रगुप्तस्य
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

7. मर्कटः सागर–ग्रामस्य उल्लेखः प्राप्यते
(1) बाँसखेड़ा ताम्रपट्टाभिलेखे
(2) मधुवन ताम्रपट्टाभिलेखे
(3) मन्दसौरशिलालेखे
(4) विलसड–अभिलेखे
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

8. रुद्रदाम्ना सुदर्शनतडागस्य पुनर्निर्माणं कदा कारितम् ?
(1) द्विसप्ततितमे वर्षे (2) सप्ततितमे वर्षे
(3) नवतितमे वर्षे (4) एकविंशतितमे वर्षे
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

9. बाँसखेड़ा – ताम्रपट्टाभिलेखे लिपिरस्ति –

(1) खरोष्ठी (2) ब्राह्मी

(3) शारदा (4) यवनानी

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

10. खारवेलेन कतिवर्षपर्यन्तं युवराजपदमलंकृतम् ?

(1) अष्टवर्षपर्यन्तम् (2) नववर्षपर्यन्तम्

(3) दशवर्षपर्यन्तम् (4) द्वादशवर्षपर्यन्तम्

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

11. हाथीगुम्फागुहाभिलेखानुसारं कलिंग–राज्यस्य नृप: आसीत् –

(1) खारवेल: (2) रुद्रदामन्

(3) अशोक: (4) हर्ष:

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

12. राज्याभिषेककाले खारवेल: आसीत् –

(1) चतुर्विंशतिवर्षीय:

(2) द्वाविंशतिवर्षीय:

(3) एकविंशतिवर्षीय:

(4) सप्ततिवर्षीय:

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

13. अशोकाभिलेखानुसारं धर्मलिपिलेखनानन्तरं सूपार्थं प्राणालम्भनं भवति स्म

(1) द्वयो: मृगयो: एकस्य शूकरस्य

(2) द्वयो: शूकरयो: एकस्य मृगस्य च

(3) द्वयोर्मयूरयोरेकस्य मृगस्य च

(4) द्वयोमृगयोरेकस्य मयूरस्य च

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

14. "राजाधिराजपरमेश्वर" इत्युपनाम केन प्राप्तम् ?

(1) कनिष्केन (2) कुमारगुप्तेन

(3) रुद्रदाम्ना (4) यशोधर्मणा

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

15. रुद्रदाम्न: प्रस्तराभिलेखे कस्य पराजय: वर्णित: ?

(1) चष्टनस्य (2) कनिष्कस्य

(3) कुमारगुप्तस्य (4) सातकर्णे:

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

16. केन मन्दसौरशिलालेख: उत्कीर्ण: ?

(1) धर्मदोषेण (2) दक्षेण

(3) गोविन्देन (4) अभयदत्तेन

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

17. हर्षस्य ताम्रपट्टाभिलेखे कस्मै भूमिदानं कृतमस्ति ?

(1) बालचन्द्राय (2) हरिभद्राय

(3) स्वस्तिभद्राय (4) बालभद्राय

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

18. कीर्तिवर्मण: पुत्र: – आसीत्

(1) मङ्गलेश: (2) पुलकेशी प्रथम:

(3) पुलकेशी द्वितीय: (4) यशोधर्मा

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

19. कस्मिन् अभिलेखे भारविकालिदासयो: नाम उपलभ्यते ?

(1) रुद्रदाम्न: जूनागढ – अभिलेखे

(2) समुद्रगुप्तस्य प्रयाग – अभिलेखे

(3) पुलकेशिन् – द्वितीयस्य ऐहोल – अभिलेखे

(4) समुद्रगुप्तस्य नालन्दा – अभिलेखे

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

20. स्तम्भलेखेषु उल्लिखितं 'देवानांप्रियः' विशेषणम् अस्ति –

(1) चन्द्रगुप्तमौर्यस्य (2) समुद्रगुप्तस्य
(3) अशोकस्य (4) खारवेलस्य
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

21. प्रयागस्तम्भे वर्णितः राजा महेन्द्रः कस्य प्रदेशस्य शासकः आसीत् ?

(1) कौसलस्य (2) मगधस्य
(3) उत्कलस्य (4) बङ्गालस्य
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

22. प्रयागस्तम्भलेखानुसारं समुद्रगुप्तस्य माता वर्तते –

(1) पद्मादेवी (2) कुमारदेवी
(3) महामाया (4) भगवती
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

23. सिन्धुनद्याः सप्तधाराः उत्तीर्य वाह्लीकदेशस्य राजा कः अभवत् ?

(1) चन्द्रगुप्तः (2) समुद्रगुप्तः
(3) पुलकेशि–द्वितीयः (4) कनिष्कः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

24. कस्य त्रिवर्गपदवीं कोऽप्यनुगन्तुं न समर्थः ?

(1) रुद्रदाम्नः (2) समुद्रगुप्तस्य
(3) पुलकेशिनः (4) यशोधर्मणः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

25. प्रयागस्तम्भलेखानुसारं कस्य कीर्तिः भुवनत्रयं पुनाति ?

(1) समुद्रगुप्तस्य (2) चन्द्रगुप्तस्य
(3) कुमारगुप्तस्य (4) अशोकस्य
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

26. ऐहोलशिलालेखस्य लेखनकालो वर्तते –

(1) शकसंवत् 635 (2) शकसंवत् 665
(3) शकसंवत् 556 (4) शकसंवत् 565
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

27. राज्ञा स्व हस्ताक्षरेणोत्कीर्णोऽभिलेखोऽस्ति –

(1) श्रीहर्षस्य ताम्रपट्टाभिलेखः
(2) ऐहोलशिलालेखः
(3) प्रयागप्रशस्तिस्तम्भलेखः
(4) मन्दसौरशिलालेखः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

28. सत्कार्यवादसिद्धौ हेतुवाक्यं नास्ति –

(1) असदकरणात्
(2) उपादानग्रहणात्
(3) सर्वासम्भवाभावात्
(4) कारणभावात्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

29. प्रत्ययसर्गः कतिधा ?

(1) द्विधा (2) त्रिधा
(3) चतुर्धा (4) पञ्चधा
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

30. सृष्टिक्रमे तन्मात्राणि जायन्ते

(1) प्रकृतेः (2) महतः
(3) अहङ्कारात् (4) पञ्चमहाभूतेभ्यः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

31. रुक्मिनदेई – स्तम्भाभिलेखस्य सम्बन्धः अस्ति –

(1) अशोकेन (2) रुद्रदाम्ना
(3) समुद्रगुप्तेन (4) चन्द्रगुप्तेन
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

32. शुद्धं युग्मं चिनुत –

(1) काम्यानि – ब्राह्मणहननादीनि

(2) नैमित्तिकानि – जातेष्ट्यादीनि

(3) निषिद्धानि – ज्योतिष्टोमादीनि

(4) अनित्यानि – सन्ध्यावन्दनादीनि

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

33. बाह्येन्द्रियाणां तद्व्यतिरिक्तविषयेभ्यो निवर्तनं भवति –

(1) शम: (2) दम:

(3) उपरति: (4) तितिक्षा

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

34. अज्ञानस्य समष्टिरुत्कृष्टोपाधितया भवति –

(1) सत्त्वप्रधाना (2) विशुद्धसत्त्वप्रधाना

(3) मलिनसत्त्वप्रधाना (4) तम:प्रधाना

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

35. वेदान्तनये लूता तन्तुकार्यं प्रति निमित्तकारणं भवति –

(1) स्वप्रधानतया (2) स्वशरीरप्रधानतया

(3) अज्ञानतया (4) उपादानतया

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

36. हेतुमद् आश्रितं च वर्तते

(1) व्यक्तम्

(2) अव्यक्तम्

(3) व्यक्तम् अव्यक्तं च

(4) पुरुष: अव्यक्तं च

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

37. चक्रभ्रमिवद् धृतशरीर: भवति –

(1) जीवन्मुक्त: (2) विदेहमुक्त:

(3) बद्धपुरुष: (4) मूलप्रकृति:

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

38. अधोलिखितानां वायूनाम् उचितक्रम: वर्त्तते

(1) प्राणव्यानसमानोदानापाना:

(2) प्राणोदानसमानापानव्याना:

(3) प्राणापानव्यानोदानसमाना:

(4) व्यानोदानसमानप्राणापाना:

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

39. अज्ञानसमष्ट्युपहितं चैतन्यम् उच्यते

(1) कारणशरीरम्

(2) जगत्कारणम्

(3) सुषुप्ति:

(4) स्थूलसूक्ष्मप्रपञ्चलयस्थानम्

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

40. सदानन्दमते धनञ्जयवायुर्भवति –

(1) पोषणकर: (2) उन्मीलनकर:

(3) क्षुत्कर: (4) उद्गिरणकर:

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

41. 'सदानन्दरीत्या तत्त्वमसि' वाक्ये लक्षणा अस्ति

(1) जहल्लक्षणा (2) अजहल्लक्षणा

(3) भागलक्षणा (4) विपरीतलक्षणा

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

42. अयुतसिद्धयो: सम्बन्ध: भवति –

(1) समवायसम्बन्ध:

(2) संयोगसम्बन्ध:

(3) तादात्म्यसम्बन्ध:

(4) स्वरूपसम्बन्ध:

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

43. सांख्यमते सिद्धे: प्रकार: अस्ति –

(1) सुहृत्प्राप्ति: (2) औदासीन्यम्

(3) हिरण्यगर्भत्वम् (4) तुष्टि:

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

44. तन्तुरूपं पटरूपस्य कारणं भवति –

(1) समवायिकारणम्

(2) असमवायिकारणम्

(3) निमित्तकारणम्

(4) साधारणकारणम्

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

45. साक्षात्कारिणी प्रमा भवति –

(1) आत्मजा (2) इन्द्रियजा

(3) अनुमानजा (4) शब्दजा

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

46. घटरूपप्रत्यक्षे क: सन्निकर्ष: ?

(1) संयोग: (2) समवेतसमवाय:

(3) संयुक्तसमवाय: (4) समवाय:

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

47. पञ्चरूपोपन्न: हेतु: भवति

(1) अन्वयव्यतिरेकी (2) केवलान्वयी

(3) केवलव्यतिरेकी (4) अनेकान्तिक:

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

48. योगसूत्रे प्रमाणविषये असत्यं कथनं वर्तते

(1) योगसूत्रे त्रीणि प्रमाणानि सन्ति

(2) प्रमाणं वृत्त्यन्तर्गतं न भवति

(3) प्रमाणं वृत्त्यन्तर्गतं भवति

(4) प्रत्यक्षानुमानागमा: प्रमाणानि

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

49. न्यायसूत्रकाराभिमतपदार्थेषु परिगण्यते –

(1) द्रव्यम् (2) गुण:

(3) अवयव: (4) अभाव:

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

50. योगदर्शने प्राणायामा: कतिधा विभज्यन्ते ?

(1) त्रिधा (2) चतुर्धा

(3) द्विधा (4) पञ्चधा

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

51. चितिशक्ते: स्वस्वरूपे प्रतिष्ठानं कथ्यते –

(1) धारणा (2) कैवल्यम्

(3) प्राणायाम: (4) आसनम्

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

52. अव्यक्तं भवति

(1) अहेतुमत् (2) अनित्यम्

(3) अव्यापि (4) अनेकम्

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

53. बुद्धीन्द्रियाणि भवन्ति

(1) त्रीणि (2) चत्वारि

(3) पञ्च (4) एकादश

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

54. 'सदसद्भ्याम् अनिर्वचनीयं त्रिगुणात्मकम्' – इत्यादिना कस्य लक्षणं निर्दिष्टम् ?

(1) प्रकृते: (2) सन्ध्याया:

(3) अज्ञानस्य (4) विज्ञानस्य

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

55. केशवमिश्रेण न्यायभाष्यकाराभिमता शास्त्रप्रवृत्ति: कतिधा प्रोक्ता

(1) त्रिधा (2) चतुर्धा

(3) षोढा (4) पञ्चधा

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

56. मिथ्याज्ञानमतद्रूपप्रतिष्ठं भवति –

(1) विपर्यय: (2) विकल्प:

(3) अस्मिता (4) अभिनिवेश:

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

57. छिदाकरणस्य परशोश्छिदैव भवति

(1) करणम्	(2) व्यापारः

(3) लक्षणम्	(4) फलम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

58. ऋषीणां ज्ञानं किं पूर्वकम् भवति ?

(1) प्रमाणपूर्वकम्	(2) आगमपूर्वकम्

(3) अभिधेयपूर्वकम्	(4) ध्वनिपूर्वकम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

59. "अथ शब्दानुशासनम्" इति सूत्रे 'शब्दानुशासनम्' पदं वेदितव्यम् –

(1) शास्त्रमधिकृतम्	(2) शब्दमधिकृतम्

(3) धर्ममधिकृतम्	(4) अर्थमधिकृतम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

60. "लोपागमवर्णविकारज्ञो हि सम्यग्वेदान् परिपालयिष्यति" इति वाक्यं व्याकरणस्य प्रयोजनं निरुपयति

(1) लघुम्	(2) आगमम्

(3) ऊहम्	(4) रक्षाम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

61. 'नाममात्रेण वस्तु सङ्कीर्तनम्' – कस्य लक्षणमिदम् ?

(1) परीक्षायाः

(2) लक्षणस्य

(3) उद्देशस्य

(4) अनुबन्ध चतुष्टयस्य

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

62. आचार्यपाणिनिः कं पदार्थं मत्वा सूत्राणि पठितवान् ?

(1) द्रव्यं केवलाम्	(2) आकृतिं केवलाम्

(3) जातिं केवलाम्	(4) द्रव्याकृती उभे

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

63. नित्यशब्दस्य पर्यायवाची शब्दः नास्ति –

(1) सिद्धः	(2) कूटस्थः

(3) विचाली	(4) ध्रुवम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

64. 'नित्यप्रहसितः' शब्दे नित्यशब्दः वर्त्तते –

(1) अनित्यार्थद्योतकः

(2) कार्यार्थद्योतकः

(3) मङ्गलार्थद्योतकः

(4) आभीक्ष्ण्यार्थद्योतकः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

65. महाभाष्यकारमते वेदशब्देन तुल्यं भवति –

(1) धर्मपूर्वकप्रयोगेऽभ्युदयस्तत्तुल्यं वेदशब्देन ।

(2) गुरुपदेशपूर्वक प्रयोगेऽभ्युदयस्तत्तुल्यं वेदशब्देन

(3) शास्त्रपूर्वकप्रयोगेऽभ्युदयस्तत्तुल्यं वेदशब्देन

(4) सिद्धिपूर्वकप्रयोगेऽभ्युदयस्तत्तुल्यं वेदशब्देन

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

66. यस्मिंस्तत्त्वं न विहन्यते तदस्ति –

(1) कार्यम्	(2) नित्यम्

(3) अनित्यम्	(4) कृतकम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

67. यर्वाणस्तर्वाणो नाम बभूवुः –

(1) देवाः (2) असुराः

(3) ऋषयः (4) गन्धर्वाः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

68. "प्रोक्तादयश्च तद्धिताः" इत्यत्र भाष्यकारेण उदाहरणत्वेन न प्रदर्शितम् –

(1) पाणिनीयम् (2) जैमिनीयम्

(3) आपिशलम् (4) काशकृत्स्नम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

69. भाष्ये व्याकरणशब्दं परिभाषयन् सूत्रपक्षे षष्ठ्यर्थानुपपत्तिदोषः निराक्रियते –

(1) 'कृत्यल्युटो बहुलम्' इत्यनेन

(2) व्यपदेशिवद्भावेन

(3) व्याख्यानेन

(4) व्युत्पत्त्या

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

70. व्याकरणं भवति –

(1) लक्ष्यमेव

(2) व्युत्पादनमेव

(3) लक्ष्यं च लक्षणं चैतत् समुदितम्

(4) व्याख्यानमेव

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

71. 'नापशब्दज्ञानेऽधर्मम्' इत्युक्तिरस्ति –

(1) सूत्रकारस्य

(2) वार्तिककारस्य

(3) वाक्यपदीयकारस्य

(4) भाष्यकारस्य

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

72. शब्दानुशासनस्य भूयः प्रयोजनानि सन्ति –

(1) पञ्च (2) अष्टादश

(3) त्रयोदश (4) पञ्चदश

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

73. शब्दब्रह्म अक्षरमित्युच्यते –

(1) सर्वव्यापकत्वात्

(2) अनादिनिधनत्वात्

(3) अक्षरनिमित्तत्वात्

(4) शब्दोपग्राहकत्वात्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

74. 'नित्याः शब्दार्थसम्बन्धास्तत्राम्नाता महर्षिभि' रित्यत्र "महर्षिभिः" इत्यनेन कथिताः –

(1) पाणिनिशाकटायनस्फोटायनाः

(2) पाणिनिकात्यायनपतञ्जलयः

(3) पाणिनिकात्यायनस्फोटायनाः

(4) पाणिनिपतञ्जलिशाकटायनाः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

75. वाक्यपदीयरीत्या अभिव्यक्तिवादिनां वादास्सन्ति –

(1) चत्वारः (2) त्रयः

(3) सप्त (4) षट्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

76. अधोलिखितेषु व्याकरणाध्ययनस्य प्रयोजनं नास्ति –

(1) ऊहः (2) आगमः

(3) लाघवम् (4) सन्देहः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

77. "य: संयोगविभागाभ्यां करणैरुपजन्यते स स्फोट:" इति मतमस्ति

(1) मीमांसकानाम् (2) वैयाकरणानाम्
(3) सांख्यानाम् (4) तार्किकाणाम्
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

78. "अणव: सर्वशक्तित्वाद् भेदसंसर्गवृत्तय: ।
छायातपतम:शब्द – भावेन परिणामिन: ।।"
इति मतमस्ति –

(1) नैयायिकानाम् (2) वैयाकरणानाम्
(3) जैनानाम् (4) बौद्धानाम्
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

79. स्फोट: कस्मात् कारणात् भेदवानिव प्रतीयते –

(1) क्रमरहितत्वात्
(2) नादस्य क्रमजन्मत्वात्
(3) अखण्डत्वात्
(4) अक्रमरूपत्वात्
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

80. स्फोटस्याभिव्यक्तौ निमित्तं भवति –

(1) प्राकृतध्वनि: (2) वैकृतध्वनि:
(3) नाद: (4) बैखरी
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

81. भर्तृहरिमते शब्दोऽवधार्यते –

(1) मनसि (2) बुद्धौ
(3) चेतसि (4) आत्मनि
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

82. अधोलिखितेषु अनुचितं कथनं वर्तते –

(1) ध्वनिस्फोटयो: व्यङ्ग्य-व्यञ्जक भावसम्बन्ध: भवति ।
(2) ग्रहणग्राह्ययो: योग्यता नियता सिद्धा ।
(3) ध्वनिस्फोटयो: विकार्यविकारिभाव: सम्बन्ध: भवति ।
(4) स्फोटनादयो: व्यङ्ग्यव्यञ्जकभावेन योग्यता नियता भवति ।
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

83. ह्रस्वदीर्घप्लुतकालभेदा: भवन्ति –

(1) व्यञ्जनाया: (2) प्राकृतध्वने:
(3) शब्दब्रह्मण: (4) शब्दतत्त्वस्य
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

84. शब्दोच्चारणाय महत्त्वपूर्णं तत्त्वं न भवति –

(1) ताल्वादिस्थानम् (2) यकृत्
(3) कण्ठप्रदेश: (4) शब्दभावना
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

85. वाक्यपदीयानुसारमेतद् विश्वं कस्य परिणाम: अस्ति ?

(1) रूपस्य (2) स्पर्शस्य
(3) शब्दस्य (4) गन्धस्य
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

86. द्रुतमध्यमादिवृत्तिभेदा: भवन्ति –

(1) स्फोटस्य (2) शब्दब्रह्मण:
(3) प्राकृतध्वने: (4) वैकृतध्वने:
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

87. भर्तृहरिरीत्या शब्दसंस्कारेण सिद्धिर्भवति –

(1) ध्यानस्य (2) परमात्मनः

(3) प्रत्ययस्य (4) व्यवहारस्य

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

88. भगवद्विषया रतिर्भवति –

(1) भावाभासः (2) भावः

(3) भावशान्तिः (4) भावोदयः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

89. "रस एवात्मा साररूपतया जीवनाधायको-ऽस्य" इति कथनमस्ति –

(1) भरतस्य (2) आनन्दवर्धनस्य

(3) विश्वनाथस्य (4) मम्मटस्य

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

90. 'द्वितीयश्चेदोमिति ब्रूमः' इत्यत्र विश्वनाथस्य अभिप्रायः वर्तते –

(1) 'काव्यस्य आत्मा वस्तुध्वनिः भवति' इति ।

(2) 'काव्यस्य आत्मा रसादिध्वनिः भवति' इति ।

(3) 'काव्यस्य आत्मा अलङ्कार ध्वनिः भवति' इति ।

(4) 'काव्यस्य आत्मा रीतिः भवति' इति ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

91. मध्यमायाः वाचः उपादानकारणमस्ति –

(1) जीवात्मा (2) बुद्धिः

(3) श्रोत्रम् (4) हृदयम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

92. 'देवः पुरारिः' इत्यत्र पुरारेः शिवार्थ-निर्धारणे कारणमस्ति –

(1) सामर्थ्यम्

(2) शब्दस्यान्यस्य सन्निधिः

(3) साहचर्यम्

(4) प्रकरणम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

93. क्वचित् ख्यातस्य बाधनं भवति –

(1) अभिधामूलध्वनौ

(2) लक्षणामूलध्वनौ

(3) व्यञ्जनामूलध्वनौ

(4) तात्पर्यामूलध्वनौ

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

94. प्रेक्षागृहाणां प्रकारो न भवति –

(1) विकृष्टः (2) चतुरस्रः

(3) त्र्यस्रः (4) सप्तस्रः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

95. नाट्यमण्डपनिर्माणे बलिः कदा करणीयः ?

(1) ब्राह्ममुहूर्त्ते (2) प्रातःकाले

(3) रात्रौ (4) सायङ्काले

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

96. यदि व्यक्तौ सङ्केतग्रहः स्वीक्रियते चेत् विश्वनाथमते को दोषः आपतति ?

(1) विधेयाविमर्शदोषः

(2) अवभृष्टांशविमर्शदोषः

(3) आनन्त्यदोषः

(4) अव्यभिचारदोषः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

97. नाट्यमण्डपस्थापनासमये राज्ञे भोक्तुं किं देयम् ?

(1) घृतपायसम् (2) मधुपर्कः

(3) गुडौदनम् (4) क्षीरौदनम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

98. नाट्यशास्त्ररीत्या दण्डस्य प्रमाणं भवति –

(1) द्विहस्तः (2) त्रिहस्तः

(3) चतुर्हस्तः (4) पञ्चहस्तः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

99. "शेषाणां प्रकृतीनां तु कनीयः संविधीयते" इत्यस्मिन् वाक्ये 'कनीयः' शब्दः संकेतकः अस्ति –

(1) नाट्यमण्डपस्य (2) नाट्यस्य

(3) नायकस्य (4) रूपकस्य

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

100. विक्रमाङ्कदेवचरिते कस्य वंशस्य राज्ञां वर्णनमस्ति ?

(1) चालुक्यवंशस्य (2) परमारवंशस्य

(3) प्रतीहारवंशस्य (4) चोलवंशस्य

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

101. कीदृशं रङ्गशीर्षं प्रशस्यते ?

(1) शुद्धादर्शतलाकारम्

(2) कूर्मपृष्ठम्

(3) मत्स्यपृष्ठम्

(4) उष्ट्रपृष्ठम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

102. 'मार्गणानाम्' शब्दस्य अर्थोऽस्ति –

(1) हरिणानाम् (2) बाणानाम्

(3) मार्गाणाम् (4) सरणीनाम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

103. विक्रमाङ्कदेवचरितस्य मङ्गलाचरणे कविः कां देवीं न स्मरति ?

(1) पार्वतीम् (2) सीताम्

(3) सरस्वतीम् (4) राधाम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

104. बिल्हणानुसारं काव्यार्थचौराः प्रगुणीभवन्ति –

(1) कवयः इव

(2) काव्यशास्त्रिणः इव

(3) दैत्या इव

(4) वञ्चका इव

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

105. संख्ये श्रीतैलपः क्षणेन शोणितपङ्कशेषं चकार –

(1) शृङ्गाररसम् (2) वीररसम्

(3) करुणरसम् (4) रौद्ररसम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

106. अशुद्धं युग्मं चिनुत –

(1) ज्ञाने – मौनम्

(2) शक्तौ – क्षमा

(3) त्यागे – श्लाघा

(4) विषयेषु – अनासक्तिः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

107. विक्रमाङ्कदेवचरितस्य प्रथमसर्गे कस्य राज्ञः सिंहासनप्राप्तिः वर्ण्यते ?

(1) सोमदेवस्य (2) विक्रमादित्यस्य

(3) जयसिंहदेवस्य (4) जयसिंहस्य

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

108. मार्गे राज्ञ: दिलीपस्य कृते घोषवृद्धा: किमादाय उपस्थिता: ?

(1) मधुपर्कम् (2) हैयङ्गवीनम्
(3) माला: (4) गुडोदनम्
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

109. राजा दिलीप: गुरोर्वसिष्ठस्याश्रमं कस्मिन् समये प्राप्त: ?

(1) प्रदोषे (2) मध्याह्ने
(3) सायङ्काले (4) प्रात:काले
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

110. षड्जसंवादिनी: केका शिखण्डिभि: भिन्ना –

(1) द्विधा (2) त्रिधा
(3) चतुर्धा (4) षोढा
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

111. 'ते प्रजा न भविष्यति' इति दिलीपं शशाप –

(1) नन्दिनी (2) रम्भा
(3) सुरभि: (4) लक्ष्मी:
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

112. युधिष्ठिरस्य पराभवं वाञ्छन् सुयोधन: कथं जगतीं जेतुमिच्छति ?

(1) छलेन (2) पराक्रमेण
(3) युद्धेन (4) नयेन
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

113. राजा दिलीप: प्रजाभ्य: किमर्थं बलिं गृह्णाति स्म ।

(1) प्रजाया: शासनार्थम्
(2) प्रजाया: भूत्यर्थम्
(3) प्रजानां भयार्थम्
(4) राजकोषवृद्ध्यर्थम्
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

114. समुचितं कथनं चिनुत –

(1) सुयोधन: सत्क्रियां विना दानं न यच्छति ।
(2) सुयोधन: सत्क्रियापूर्वकं दानं न यच्छति ।
(3) सुयोधनस्य सत्क्रिया गुणानुरोधेन विना प्रवर्तते ।
(4) सुयोधनस्य सामनामोपाय: दानवर्जित: भवति ।
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

115. समुचितकथनं चिनुत –

(1) कृष्टपच्या इव सस्यसम्पद: ।
(2) अकृष्टपच्या इव सस्यसम्पद: ।
(3) अकृष्टपच्या इवासस्यसम्पद: ।
(4) आकृष्टपच्या इव सस्यसम्पद: ।
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

116. योऽधिपं साधु न शास्ति स: भवति –

(1) किंसखा (2) किंप्रभु:
(3) अमात्य: (4) सेनापति:
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

117. 'सत्यधनस्य मानसं दुनोति नो कच्चिदयं वृकोदर:' इत्युक्तिरस्ति –

(1) वनेचरस्य (2) युधिष्ठिरस्य
(3) भीमसेनस्य (4) द्रौपद्या:
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

118. चारचक्षुष: भवन्ति –

(1) अनुजीविन: (2) राजान:
(3) मन्त्रिण: (4) गुप्तचरा:
(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

119. लगधस्य सम्बन्धः अस्ति –

(1) आयुर्वेदशास्त्रेण सह

(2) ज्योतिषशास्त्रेण सह

(3) मीमांसादर्शनेन सह

(4) निरुक्तेन सह

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

120. ऋग्वेदीयब्राह्मणमस्ति –

(1) गोपथब्राह्मणम् (2) ताण्ड्यब्राह्मणम्

(3) ऐतरेयब्राह्मणम् (4) तैत्तिरीयब्राह्मणम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

121. अथर्ववेदसम्बद्धा उपनिषद् नास्ति –

(1) मुण्डकोपनिषद् (2) कठोपनिषद्

(3) माण्डूक्योपनिषद् (4) प्रश्नोपनिषद्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

122. वर्णस्वराद्युच्चारणप्रकारः उपदिश्यते –

(1) साहित्ये (2) छन्दसि

(3) निरुक्ते (4) शिक्षायाम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

123. 'तदेव ब्रह्म त्वं विद्धि नेदं यदिदमुपासते' – अस्य स्रोतः अस्ति –

(1) केनोपनिषत् (2) कठोपनिषत्

(3) ईशोपनिषत् (4) तैत्तिरीयोपनिषत्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

124. तवलकार – आरण्यकस्य सम्बन्धः अस्ति –

(1) ऋग्वेदेन (2) यजुर्वेदेन

(3) सामवेदेन (4) अथर्ववेदेन

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

125. गौतमधर्मसूत्रं सम्बन्धितम् अस्ति –

(1) सामवेदेन (2) शुक्लयजुर्वेदेन

(3) अथर्ववेदेन (4) ऋग्वेदेन

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

126. आयुर्वेद उपवेदो वर्तते –

(1) ऋग्वेदस्य (2) यजुर्वेदस्य

(3) सामवेदस्य (4) अथर्ववेदस्य

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

127. आचार्य-ब्रह्मगुप्तस्य रचना वर्तते –

(1) ब्रह्मस्फुटसिद्धान्तः

(2) सूर्यसिद्धान्तः

(3) सिद्धान्तशिरोमणिः

(4) सारावली

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

128. "सिद्धान्तसम्राट्" इति ग्रन्थस्य लेखकोऽस्ति –

(1) पण्डितराजजगन्नाथः

(2) बालगंगाधरतिलकः

(3) कमलाकरः

(4) चन्द्रशेखरसिंहः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

129. तत्त्ववैशारदी-टीकायाः रचयिता अस्ति –

(1) भागुरायणः

(2) बलदेवविद्याभूषणः

(3) वर्धमान उपाध्यायः

(4) वाचस्पतिमिश्रः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

130. अधोलिखितेषु अथर्ववेदेन सम्बन्धितं ब्राह्मणमस्ति –

(1) ताण्डयब्राह्मणम् (2) षड्विंशब्राह्मणम्

(3) शतपथब्राह्मणम् (4) गोपथब्राह्मणम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

131. आयुर्वेदस्य ग्रन्थः अस्ति –

(1) नयचन्द्रिका (2) शार्ङ्गधरपद्धतिः

(3) अभिधानमाला (4) षड्मुखकल्पः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

132. गौतमधर्मसूत्रस्य प्रथमाध्याये प्रतिपादिताः सन्ति –

(1) धर्मविचारः, उपनयनम्, शौचः

(2) ब्रह्मचारिव्रतम्, शिष्यानुशासनम्, अध्ययनम्

(3) आश्रमचतुष्टयम्, भिक्षुनियमः, वानप्रस्थम्

(4) विवाहः, कालः, गृहस्थधर्मः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

133. रसरत्नाकरस्य रचयिता वर्तते –

(1) वाग्भटः (2) शालिहोत्रः

(3) नागार्जुनः (4) चरकः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

134. "न सर्वैर्लिङ्गैःन च सर्वाभिर्विभक्तिभिः वेदे मन्त्राः निगदिताः" इति वचनमस्ति –

(1) गौतमस्य (2) कुमारिलभट्टस्य

(3) नागेशभट्टस्य (4) पतञ्जलेः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

135. वैखानसधर्मसूत्रं प्रोक्तमस्ति –

(1) शैवसम्प्रदायस्य कृते

(2) शाक्तसम्प्रदायस्य कृते

(3) वैष्णवसम्प्रदायस्य कृते

(4) बौद्धसम्प्रदायस्य कृते

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

136. रासपंचाध्यायी कस्य पुराणस्य अंगभूता विद्यते ?

(1) पद्मपुराणस्य

(2) श्रीमद्भागवतपुराणस्य

(3) विष्णुपुराणस्य

(4) मत्स्यपुराणस्य

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

137. सात्विकपुराणानि सन्ति –

(1) ब्रह्माविषयकाणि (2) शिवविषयकाणि

(3) देवीविषयकाणि (4) विष्णुविषयकाणि

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

138. 'महारामायणम्' इति कस्य नामान्तरम् ?

(1) अद्भुतरामायणस्य

(2) योगवसिष्ठस्य

(3) आनन्दरामायणस्य

(4) अध्यात्मरामायणस्य

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

139. महाभारते अभिमन्युवधो वर्णितोऽस्ति –

(1) भीष्मपर्वणि (2) विराटपर्वणि

(3) द्रोणपर्वणि (4) कर्णपर्वणि

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

140. रामायणस्य टीकाकारेष्वन्यतमोऽस्ति –

(1) शालिकनाथः (2) देवव्रतः

(3) रामानुजः (4) मेघनाथः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

141. व्याकरणशास्त्रे 'प्रक्रियासर्वस्वम्' इति ग्रन्थस्य लेखकः अस्ति –

(1) धर्मकीर्तिः (2) नारायणभट्टः

(3) जयादित्यः (4) वरदराजः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

142. समुचितं सम्मेलनं कुरुत –

A.	कृष्णमिश्र:	अ.	कुन्दमाला
B.	जयदेव:	ब.	प्रबोधचन्द्रोदय:
C.	दिङ्नाग:	स.	प्रसन्नराघवम्
D.	वत्सराज:	द.	रुक्मिणीहरणम्

कूट :

	A	B	C	D
(1)	अ	ब	स	द
(2)	द	स	ब	अ
(3)	ब	स	अ	द
(4)	ब	अ	द	स

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

143. दार्शनिकगोष्ठीषु 'उम्बेक' इति नाम्ना प्रसिद्ध: आसीत् –

(1) कालिदास: (2) भवभूति:

(3) भास: (4) अश्वघोष:

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

144. कस्य महाकाव्यस्य प्रारम्भिका: त्रय: सर्गा: 'पाषाणत्रय' इति नाम्ना प्रसिद्धा: ?

(1) कुमारसम्भवस्य (2) बुद्धचरितस्य

(3) किरातार्जुनीयस्य (4) शिशुपालवधस्य

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

145. तिलकमञ्जर्या: कर्ता अस्ति –

(1) धनपाल: (2) उदयन:

(3) रमाकान्त: (4) वाक्पतिराज:

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

146. जानकीहरणमहाकाव्यस्य लेखकोऽस्ति –

(1) भट्टि: (2) कुमारदास:

(3) रत्नाकर: (4) सुबन्धु:

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

147. अधोलिखितेषु दूतकाव्यं नास्ति –

(1) नेमिदूतम्

(2) विक्रमांकदेवचरितम्

(3) शीलदूतम्

(4) पार्श्वाभ्युदय:

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

148. सारनाथस्य बौद्धमूर्तिलेख: केन कारित: ?

(1) अशोकेन (2) पुष्यमित्रेण

(3) भिक्षुबलेन (4) कुमारगुप्तेन

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

149. सुवर्णसिक्तापलाशिनीनद्यो: नाम प्राप्यते –

(1) समुद्रगुप्तस्य प्रयागाभिलेखे

(2) अशोकस्य दिल्ली टोपरा–अभिलेखे

(3) हर्षवर्धनस्य ताम्रपत्राभिलेखे

(4) रुद्रदामन– जूनागढ़ – अभिलेखे

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

150. "प्रत्यक्षरश्लेषमयप्रपंचविन्यासवैदग्धनिधिभूतम्" इति कस्य काव्यवैशिष्ट्यमस्ति ?

(1) दण्डिन:

(2) बाणभट्टस्य

(3) अम्बिकादत्तव्यासस्य

(4) सुबन्धो:

(5) अनुत्तरित: प्रश्न:

रफ कार्य के लिए स्थान / SPACE FOR ROUGH WORK